सत्रीय कार्य एवं परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिका

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
एम.ए. हिंदी कार्यक्रम
पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010
द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र : जनवरी 2024

क्रमांक	सत्रीय कार्य कोड /परियोजना कार्य कोड	कहाँ प्रेषित करें	संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर सत्रीय कार्य /परियोजना कार्य पहुँचने की निर्धारित अंतिम तिथि
01	एम ए एच डी – 19	संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर	**10 जुलाई 2025**
02	एम ए एच डी – 20		
03	एम ए एच डी – 21		
04	एम ए एच डी – 22		
05	एम ए एच डी – 23		
06	एम ए एच डी – 24		

- **अध्ययन केंद्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य /परियोजना कार्य अध्ययन केंद्र पर ही जमा कराएँ। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य / परियोजना कार्य का मूल्यांकन संबंधित अध्ययन केंद्र पर ही किया जाएगा।**

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र – 442001
फोन /फॅक्स नं. : 07152-247146
वेबसाइट : http://hindivishwa.org/distance

दूर शिक्षा निदेशालय

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम **द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य

दिशा-निर्देश

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम के द्वितीय वर्ष - चतुर्थ सेमेस्टर की 06 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्याओं (परियोजना कार्य) के निर्धारित 02 विकल्पों में से किसी 01 पाठ्यचर्या का चयन करना है। विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं के लिए सत्रीय कार्य तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या (विद्यार्थी द्वारा चयनित) के लिए परियोजना कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को द्वितीय वर्ष, चतुर्थ सेमेस्टर में कुल 04 सत्रीय कार्य एवं 01 परियोजना कार्य सम्पन्न कर जमा कराने हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में विद्यार्थी को कुल 03 प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखना है।

विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे परीक्षा आवेदन पत्र में अपने द्वारा पंचम पाठ्यचर्या के लिए चयनित वैकल्पिक पाठ्यचर्या का क्रमांक, शीर्षक एवं कोड स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें।

पंचम पाठ्यचर्या (परियोजना कार्य) के लिए निदेशालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिकाओं का अवलोकन करें। परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिकाओं के अवलोकन के लिए निम्नलिखित URL का उपयोग किया जा सकता है -

MAHD - 23: रचनाकार का विशेष अध्ययन -

http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MAHD 23%20rachnakaar_ka%20vishesh_aadhyayan.pdf

MAHD – 24 : हिंदी की संस्कृति का विशेष अध्ययन -

http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MAHD24%20hindi_kee_sanshkriti_ka_vishesh_aadhyayan.pdf

परियोजना कार्य के पर्यवेक्षण के संबंध में जानकारी के लिए सीधे पाठ्यक्रम संयोजक से संपर्क कीजिए।

पूर्ण किये गए सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन हेतु निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व संबंधित अध्ययन केंद्र पर जमा कराएँ तथा उनकी एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्यत: सुरक्षित रखें।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :

- सत्रीय कार्य का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध करायी गई पाठ्य-सामग्री को विद्यार्थी की हस्तलिपि में पुन: प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रवृत्ति में निरन्तरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किए गए अध्ययन का मूल्यांकन करना है।
- विद्यार्थी ने एम.ए. हिंदी कार्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा संबंधित पाठ्य-सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है, उसका विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा संबंधित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितन विकसित हुआ है, आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-क्षमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है।
- विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुनर्प्रस्तुतीकरण न करते हुए अध्ययन उपरान्त अपनी विकसित विचार-क्षमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए।
- पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी संबंधी ज्ञान की अपेक्षा की जाती है।

  उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य लेखन :

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

01. योजना :

- प्रथमत: सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नो को पढ़कर उनका आशय समझ लीजिए। उसके बाद संबंधित पाठ्य-सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए।
- पूछे गए प्रश्नों से संबंधित इकाइयों को मनोयोग से पढ़िए। निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए।
- साथ ही, सुझायी गई सहायक पुस्तकों को भी रुचिपूर्वक पढ़िए।
- पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से संबंधित महत्त्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए और अंतिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए।

02. संगठन कौशल :

- अपने उत्तर को अंतिम रूप देने से पूर्व एक कच्ची रूपरेखा बना लीजिए , श्रेष्ठतम तथ्य संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए।
- उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए।

- कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ न हों, अनुच्छेदों में परस्पर तारतम्यता हो तथा भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त संयोजन किया गया हो।

03. सत्रीय कार्य लेखन :-

- सत्रीय कार्य विद्यार्थी द्वार स्वयं की हस्तलिपि में संपन्न किया जाना है।
- पूछे गए प्रश्नों की अन्तिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी संबंधी दोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाइंडिंग की गई हो।
- आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है।
- उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बॉलपेन का ही प्रयोग कीजिए।
- उत्तर-पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए। किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व संबंधित प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए।
- प्रत्येक नए उत्तर का प्रारंभ नए पृष्ठ से कीजिए।
- उत्तर-पुस्तिका हेतु A-4 साइज़ के कागज का प्रयोग करें।
- कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी सत्रीय कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं।
- सत्रीय कार्य के अन्तिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए।
- सत्रीय कार्य की विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में लिखित प्रति ही स्वीकार की जाएगी।
- आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान करवाया जाएगा। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
- सत्रीय कार्य की कंप्यूअर टंकित प्रति अस्वीकार्य है। कंप्यूटर टंकित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण :

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :

01. सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ के लिए निम्नलिखित प्रारूप निर्धारित हैं :

सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ का प्रारूप

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001
फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाईट : http://hindvishwa.org/distance

....

एम. ए. हिंदी कार्यक्रम, द्वितीय वर्ष-चतुर्थ सेमेस्टर, कार्यक्रम कोड: एम ए एच डी – 010

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक :
सत्रीय कार्य कोड :
पाठ्यचर्या क्रमांक :
पाठ्चर्या का शीर्षक :

....

विद्यार्थी का नाम :
अनुक्रमांक :
नामांकन संख्या :
पत्राचार पता :
मोबाईल नं. :
ई- मेल :

....

संबंधित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता :

दिनांक :

स्थान:

विद्यार्थी के हस्ताक्षर :

02. उत्तर-पुस्तिका के निर्धारित मुखपृष्ठ पर संबंधित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता लिखिए तथा स्थान एवं दिनांक अंकित करते हुए अपने हस्ताक्षर अवश्य कीजिए। अहस्ताक्षरित प्रति अस्वीकार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका को जाँच हेतु संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर जमा करा दीजिये।
04. लिफ़ाफ़े के शीर्ष पर – सत्रीय कार्य, एम.ए. हिंदी कार्यक्रम, द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर, कार्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010 अवश्य लिखिए।

हम यह विश्वास करते हैं कि आप उपर्युक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण सत्रीय-कार्य निर्धारित समय पर प्रस्तुत करेंगे और एम. ए. हिंदी कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न करेंगे।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम **द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 01

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 19 **अधिकतम अंक : 30%**

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 19

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिंदी नीतिकाव्य और मूल्य चेतना

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. नीतिकाव्य की मूल अवधारणा का उल्लेख करते हुए उसके स्वरूप का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
2. भक्तिकालीन साहित्य में नीति और मूल्य का उदाहरण सहित विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
3. साहित्य में 'सत्यं, शिवं, सुन्दरम्' की अवधारणा का उदाहरण सहित विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
4. मूल्य और जीवन-मूल्य क्या है ? भारतीय चिंतन धारा में जीवन-मूल्य की भूमिका का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
5. तुलसीदास के काव्य में सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्य चेतना का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए।
6. रैदास के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्य चेतना का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम **द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 02

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 20 **अधिकतम अंक : 30%**

चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 20

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिंदी के विविध गद्य-रूप

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. हिंदी साहित्य में निबंध लेखन की परम्परा का उल्लेख करते हुए आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंध 'अशोक के फूल' की अंतर्वस्तु और उसके शिल्पगत वैशिष्टय का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
2. हिंदी साहित्य में आत्मकथा लेखन की परम्परा का संक्षिप्त परिचय देते हुए हरिवंश राय बच्चन द्वारा लिखित आत्मकथा 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' की विषय-वस्तु को रेखांकित कीजिए।
3. हिंदी साहित्य में जीवनी साहित्य का परिचय देते हुए 'आवारा मसीहा' के शिल्पगत वैशिष्टय का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए कीजिए।
4. हिंदी साहित्य की गद्य विधा में संस्मरण लेखन के स्वरूप का उल्लेख करते हुए महादेवी वर्मा द्वारा लिखित 'पथ के साथी' की विशिष्टता को रेखांकित कीजिए ।
5. हिंदी साहित्य के इतिहास में डायरी लेखन के महत्त्व का आकलन प्रस्तुत करते हुए मोहन राकेश की डायरी के शिल्प का विश्लेषण कीजिए।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम **द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 03

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 21 **अधिकतम अंक : 30%**

चतुर्थ सेमेस्टर

तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 21

पाठ्यचर्या का शीर्षक : भाषाविज्ञान

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. भाषा परिवर्तन के स्वरूप का उल्लेख करते हुए भाषा परिवर्तन के कारणों का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

2. हिंदी की ध्वनियों, स्वरों, व्यंजनों का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

3. ध्वनि विज्ञान को समझाते हुए महाप्राण ध्वनियों की समस्याओं का उल्लेख कीजिए।

4. पद, पदबंध और वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए और पद-निर्माण की पद्धति को उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए।

5. ध्वनि परिवर्तन के कारण और उसकी दिशाओं को चिन्हित कीजिए।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम **द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 04

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 22 **अधिकतम अंक : 30%**

चतुर्थ सेमेस्टर

चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 22

पाठ्यचर्या का शीर्षक : नव सामाजिक विमर्श

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. स्त्री विमर्श को पारिभाषित करते हुए किसी स्त्री-चरित्र केंद्रित उपन्यास का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
2. दलित साहित्य की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इक्कीसवीं सदी के दलित साहित्य के मुख्य स्वर को किसी कृति के सहारे स्पष्ट कीजिए।
3. कँवल भारती की कविता 'शम्बूक' में दलित-विमर्श के स्वर का क्या स्वरूप है, स्पष्ट कीजिए।
4. ओमप्रकाश वाल्मिकी की कहानी 'अम्मा' में दलित जीवन की समस्याओं को रेखांकित कीजिए।
5. अनामिका की कविता 'तुलसी का झोला' के परिप्रेक्ष्य से कविता में स्त्री-भाषा के स्वरूप का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

दूर शिक्षा निदेशालय

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम **द्वितीय वर्ष – चतुर्थ सेमेस्टर**

परियोजना कार्य :

पंचम पाठ्यचर्या (परियोजना कार्य) के लिए दो विकल्प हैं, उनमें से किसी एक का चयन विद्यार्थियों द्वारा किया जाना है। विद्यार्थी कृपया निदेशालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिकाओं का अवलोकन करें। परियोजना कार्य निर्देश-पुस्तिकाओं के अवलोकन के लिए निम्नलिखित URL का उपयोग किया जा सकता है :

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 23

http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MAHD-23%20rachnakaar_ka%20vishesh_aadhyayan.pdf

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 24

http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/MAHD24%20hindi_kee_sanshkriti_ka_vishesh_aadhyayan.pdf

परियोजना कार्य के पर्यवेक्षण के संबंध में जानकारी के लिए सीधे पाठ्यक्रम संयोजक से संपर्क कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक :
डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा
कक्ष संख्या – 02
amrendrakumarsharma@gmail.com
मोबाइल - 9422905755
एसोशिएट प्रोफ़ेसर, दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
वर्धा , महाराष्ट्र